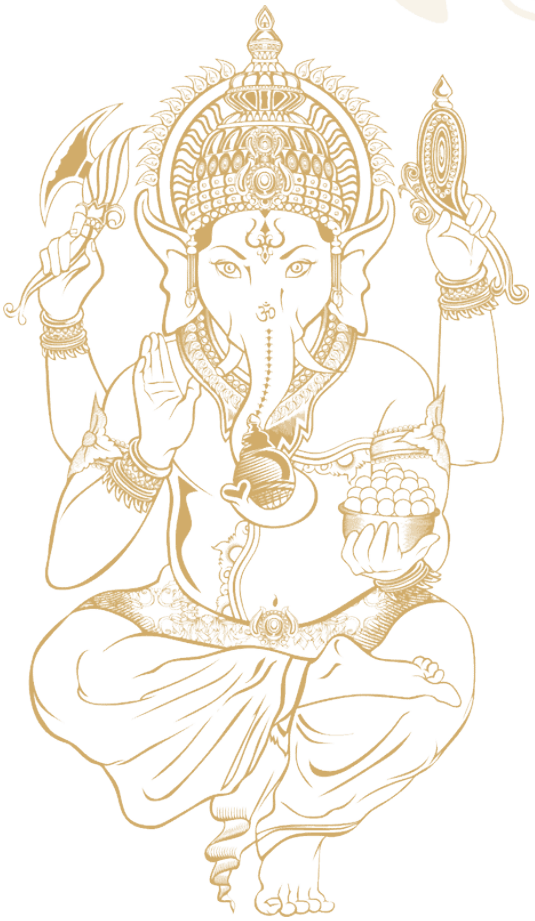

Mr sarma

Pooja

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121510405

पुल्लिंग :	लिंग	: स्त्रीलिंग
26/03/1997 :	जन्म तिथि	: 14-15/05/2000
बुधवार :	दिन	: रवि-सोमवार
घंटे 17:55:00 :	जन्म समय	: 02:00:00 घंटे
घटी 29:01:00 :	जन्म समय(घटी)	: 51:12:18 घटी
India :	देश	: India
Delhi :	स्थान	: Delhi
28:39:00 उत्तर :	अक्षांश	: 28:39:00 उत्तर
77:13:00 पूर्व :	रेखांश	: 77:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व :	मध्य रेखांश	: 82:30:00 पूर्व
घंटे -00:21:08 :	स्थानिक संस्कार	: -00:21:08 घंटे
घंटे 00:00:00 :	ग्रीष्म संस्कार	: 00:00:00 घंटे
06:18:36 :	सूर्योदय	: 05:31:04
18:35:00 :	सूर्यास्त	: 19:04:16
23:49:05 :	चित्रपक्षीय अयनांश	: 23:51:27

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
राहु 16वर्ष 0मा 22दि	03:56:20	कन्या	लग्न	कुंभ	18:35:09	चन्द्र 2वर्ष 3मा 15दि
गुरु	12:04:05	मीन	सूर्य	वृष	00:28:21	राहु
18/04/2013	08:06:10	तुला	चंद्र	कन्या	20:16:36	30/08/2009
18/04/2029	29:24:46	सिंह व	मंगल	वृष	13:51:20	30/08/2027
गुरु 06/06/2015	26:20:28	मीन	बुध	वृष	07:20:13	राहु 12/05/2012
शनि 17/12/2017	20:11:21	मक	गुरु	मेष	25:36:29	गुरु 05/10/2014
बुध 24/03/2020	10:16:27	मीन	शुक्र	मेष	23:02:40	शनि 11/08/2017
केतु 28/02/2021	15:52:39	मीन	शनि	मेष	27:06:03	बुध 29/02/2020
शुक्र 30/10/2023	04:55:13	कन्या व	राहु व	कर्क	02:57:10	केतु 18/03/2021
सूर्य 17/08/2024	04:55:13	मीन व	केतु व	मक	02:57:10	शुक्र 18/03/2024
चन्द्र 17/12/2025	13:56:13	मक	हर्ष	मक	26:55:19	सूर्य 10/02/2025
मंगल 23/11/2026	05:46:40	मक	नेप व	मक	12:42:16	चन्द्र 12/08/2026
राहु 18/04/2029	11:41:35	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	18:09:28	मंगल 30/08/2027

लग्न-चलित

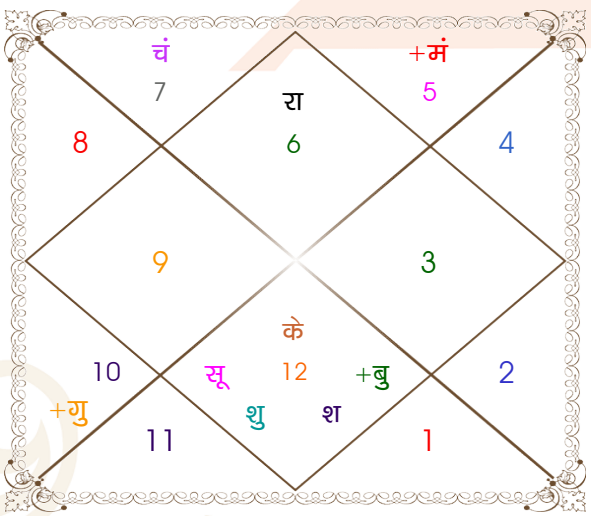

लग्न-चलित

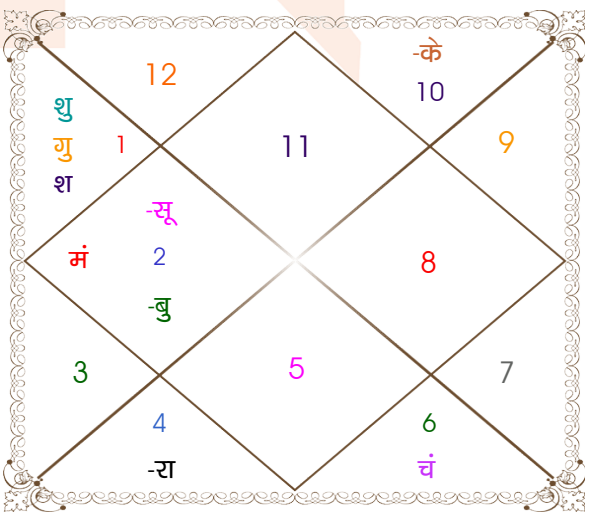

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	शूद्र	वैश्य	1	0.00	--	जातीय कर्म
वश्य	मानव	मानव	2	2.00	--	स्वभाव
तारा	विपत	मित्र	3	1.50	--	भाग्य
योनि	महिष	महिष	4	4.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	बुध	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	देव	देव	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	तुला	कन्या	7	0.00	हाँ	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	26.50		

भकूट दोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों में मित्रता है।

डतेंतउं का वर्ग मृग है तथा च्ववरं का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार डतेंतउं और च्ववरं का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

डतेंतउं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में द्वादश भाव में स्थित है।

च्ववरं मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु च्ववरं कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

डतेंतउं तथा च्ववरं में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।